भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

02.04.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 5179 का उत्तर

रेलवे में विशेषकर छत्तीसगढ़ में रिक्तियां

5179. श्री बृजमोहन अग्रवाल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय रेलवे, विशेषकर छत्तीसगढ़ में रिक्तियों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है तथा उक्त रिक्तियों को भरने की समय-सीमा क्या है; और

(ख) क्या छत्तीसगढ़ में नए भर्ती किए गए कर्मियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाने हेतु तैनाती से पहले उनके लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु कोई विशेष प्रशिक्षण केंद्र या संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): भारतीय रेल के आकार, भौगोलिक वितरण और परिचालन महत्व को ध्यान में रखते हुए पदों का रिक्त होना और उसे भरा जाना एक सतत् प्रक्रिया है। नियमित परिचालन, प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों, यंत्रीकरण और नवोन्मेषी पद्धतियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त जनशक्ति मुहैया कराई जाती है। रिक्तियों को मुख्यतः परिचालनिक और प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं तथा विशिष्ट पदों पर लागू भर्ती नियमों के अनुसार भर्ती एजेन्सियों को मांग पत्र भेज कर नियमित आधार पर भरा जाता है।

कोविड-19 के कारण लागू प्रतिबंधों में ढील देने के बाद, दो बड़ी परीक्षाओं जिनमें 2.37 करोड़ से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया, का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है।

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	केन्द्र	दिवस	पालियां
एल2 - एल6	1.26 करोड़	211	726	68	133
एल1	1.1 करोड़	191	551	33	99

इन परीक्षाओं के आधार पर, रेलों में 1,30,581 अभ्यर्थियों की भर्ती की गई है।

वर्ष 2004-2005 से 2013-14 की तुलना में 2014-2015 से 2023-2024 के दौरान भारतीय रेल पर की गई भर्तियों का विवरण निम्नानुसार दिया गया हैः-

अवधि	भर्तियां
2004-2005 से 2013-14	4.11 लाख
2014-2015 से 2023-2024	5.02 लाख

इसके अलावा, प्रणालीगत सुधार के तौर पर, रेल मंत्रालय ने वर्ष 2024 से समूह 'ग' पदों की विभिन्न कोटियों में भर्ती के लिए इस वर्ष वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित करने की एक प्रणाली शुरू की है। वार्षिक कैलेंडर की शुरुआत करने से अभ्यर्थियों को निम्नानुसार लाभ होगा:

- अभ्यर्थियों के लिए अधिक अवसर;
- प्रतिवर्ष योग्यता प्राप्त करने वालों को अवसर;
- परीक्षाओं की निश्चितता;
- भर्ती प्रक्रिया, प्रशिक्षण और नियुक्तियों में तेज़ी।

तदनुसार, सहायक लोको पायलटों, तकनीशियनों, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) में उप-निरीक्षक और कांस्टेबल, जूनियर इंजीनियर(जेई)/डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस)/रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए), पैरामेडिकल कोटियों, गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां(स्नातक) और गैर-तकनीकी लोकप्रिय कोटियां (पूर्व-स्नातक), मिनिस्टीरियल एवं आइसोलेटेड कोटियां और लेवल-1 के पदों को भरने के लिए जनवरी से दिसम्बर 2024 के दौरान 92,116 रिक्तियों के लिए दस केंद्रीकृत अधिसूचनाएं अधिसूचित की गई हैं।

45,708 पदों के लिए, प्रथम चरण कंप्यूटर आधारित परीक्षाएं दिनांक 25.11.2024 से 30.12.2024 तथा 02.03.2025 से 18.03.2025 तक दो चरणों में पूरी हो चुकी है। विवरण निम्नानुसार है:

परीक्षा	अभ्यर्थी	शहर	केन्द्र	दिवस	पालियां
एएलपी सीईएन सं. 01/2024 (18,799 रिक्तियां)	18,40,347	156	346	5	15
तकनीशियन सीईएन सं. 02/2024 (14,298 रिक्तियां)	26,99,892	139	312	9	27
जेई/डीएमएस/सीएमए सीईएन सं. 03/2024 (7,951 रिक्तियां)	11,01,266	146	323	3	9
रे.सु.ब. (एस.आई) सीईएन सं. 01/2024 (452 रिक्तियां)	15,35,635	143	306	5	15
रे.सु.ब. (कांस्टेबल) सीईएन सं. 02/2024 (4,208 रिक्तियां)	45,30,288	149	354	12	36

भारतीय रेल, केंद्र सरकार का संगठन होने के कारण अखिल भारतीय स्तर पर भर्तियां आयोजित करती है। यह सार्वजनिक रोजगार के मामलों में समानता के अधिकार के

संवैधानिक प्रावधान के अनुरूप है और इस प्रकार के मामलों में भारत सरकार के नोडल विभाग कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के दिशानिर्देशों के अनुसार है। प्रत्येक उम्मीदवार, चाहे उनका लिंग, भाषा, जन्म स्थान/क्षेत्र आदि कुछ भी हो, जो पात्रता मानदंडों को पूरा करता है, आवेदन करने के लिए स्वतंत्र है। केंद्रीय रोजगार सूचनाओं (सीईएन) के संबंध में आवेदन करने वाले स्थानीय उम्मीदवारों सहित सभी उम्मीदवारों पर रेलवे में भर्ती के लिए समान रूप से विचार किया जाता है। किसी भी राज्य या क्षेत्र के उम्मीदवारों को कोई प्राथमिकता नहीं दी जाती है और न ही भर्ती प्रक्रिया को किसी राज्य या क्षेत्र तक सीमित किया जाता है।

भारतीय रेल के लिए सुरक्षित गाड़ी संचालन सर्वोच्च प्राथमिकता होने के कारण, संरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया जाता है। संबंधित कोटियों के लिए प्रारंभिक और पदोन्नति के चरण में निर्धारित अवधि के अनुसार विस्तृत प्रशिक्षण मॉड्यूल मौजूद हैं, साथ ही पुनश्चर्या प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और विशेषीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी हैं, जो व्यावहारिक पहलुओं पर जोर देते हैं ये उनके कौशल उन्नयन में सहायक हैं और संबंधित उन्नत प्रौद्योगिकी को आत्मसात करने में सहायता करते हैं, जो कि समग्र सुरक्षा और यात्री अनुभव पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ये मॉड्यूल कार्यप्रणाली में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए भी अद्यतन किए जाते हैं।

रेल परिचालन और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराने के उद्देश्य से नए भर्ती होने वाले कर्मचारियों को प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रत्येक श्रेणी के कर्मचारियों के लिए संबंधित तकनीकी निदेशालयों के परामर्श से विभागवार प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया है।

इसके अलावा, रेल कर्मचारियों के करियर के विभिन्न चरणों में निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं:

- **पदोन्नति प्रशिक्षण - अधिक उत्तरदायित्व वाले कार्यों के लिए सेवारत कर्मचारियों को पहले से तैयार करने के उद्देश्य से।**
- **पुनश्चर्या प्रशिक्षण - सेवारत कर्मचारियों की दक्षता में सुधार के लिए नई अवधारणा और सिद्धांतों के साथ समय-समय पर अद्यतन कराने के उद्देश्य से।**
- **विशेषीकृत प्रशिक्षण - प्रौद्योगिकीय विकास, मात्रात्मक तकनीकों आदि जैसे यात्री आरक्षण प्रणाली, नए रेलइंजन, सिगनल प्रणाली, रेलपथ प्रौद्योगिकी आदि के ज्ञान को अद्यतन करने के उद्देश्य से,**

इन प्रशिक्षणों के अलावा, प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा कुछ अन्य/विशेष पाठ्यक्रम भी चलाए जाते हैं जैसे कि अग्रणी कर्मचारियों के लिए सॉफ्ट स्किल्स में प्रशिक्षण, ग्राहक सेवा प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, सभी पर्यवेक्षकों के लिए दुर्घटना अन्वेषण कार्यक्रम, जेई/एसएसई (रेलपथ) के लिए गाड़ी पटरी से उतरने के संबंध में अन्वेषण कार्यक्रम, चालकों के लिए ट्रेन पार्टिंग कार्यक्रम, खतरे की पहचान और आपातकालीन प्रतिक्रिया, अग्निशामक और प्राथमिक चिकित्सा दक्षता, लैंगिक संवेदीकरण, योग और ध्यान तथा अन्य प्रशिक्षण आदि।

भारतीय रेल के पास व्यापक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसके लिए क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों के तहत प्रशिक्षण केंद्रों के रूप में विस्तृत अवसंरचना को विकसित किया गया है। एक जोन के भीतर भी, ये प्रशिक्षण केंद्र मंडल और कार्यशालाओं के विभिन्न स्थानों में फैले हुए हैं।

छत्तीसगढ़ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पूर्व तट रेलवे के अंतर्गत आता है। बिलासपुर में पहले से ही एक क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान कार्यरत है जो दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में तैनात रेल कर्मचारियों की प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करता है। छत्तीसगढ़ में निम्नलिखित रेलवे प्रशिक्षण संस्थान भी स्थित हैं:

(क) बहु-विषयक संभागीय प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर

(ख) स्टाफ प्रशिक्षण केंद्र, भिलाई

(ग) इंजीनियरिंग प्रशिक्षण केंद्र, बिलासपुर

(घ) इलेक्ट्रिक लोको प्रशिक्षण केंद्र, उसलापुर, बिलासपुर

(ङ) डिविजनल लोको प्रशिक्षण केंद्र, बिलासपुर

(च) बेसिक प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर

रेल कर्मचारियों की वर्तमान प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने में ये प्रशिक्षण केंद्र सक्षम हैं। फिर भी, आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण केंद्रों का युक्तिकरण और पुनर्गठन सतत् प्रक्रिया है।

****